शान्त-रस के साथ संलग्न होना

रविवार, २९ नवम्बर, २०२०

आत्मीय पाठकगण,

नमस्ते।

आने वाले दो दिनों में हम दिसम्बर माह में क़दम रखने वाले हैं, एक ऐसा माह जो विभिन्न परम्पराओं के त्यौहारों से परिपूर्ण है, और इनमें से अनेक त्यौहार प्रकाश का उत्सव मनाते हैं। सिद्धयोग पथ पर, हम उस अन्तर-प्रकाश की पूजा करते हैं जो शिष्य के अन्दर श्रीगुरु के प्रकाश से जाग्रत होता है।

इस वर्ष २०२० में, प्रत्येक त्यौहार, प्रत्येक महोत्सव, प्रत्येक पारिवारिक सम्मेलन हमेशा से थोड़े अलग रहे हैं। हरेक को विभिन्न त्यौहारों व एक-साथ आने के पर्वों के भावों का सम्मान करने के लिए कई रचनात्मक तरीक़े अपनाने पड़े हैं। यह हमें स्मरण कराता है कि कैसे पेड़-पौधे व पशु अपने पर्यावरण में होने वाले परिवर्तनों के साथ तालमेल बिठाते रहते हैं। हम देख रहे हैं कि कैसे, लोगों में भी नई व अनपेक्षित परिस्थितियों के साथ सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता है।

तथापि, एक चीज़ है जिसके लिए हम आश्वस्त रह सकते हैं कि वह एक जैसी ही बनी रहेगी, वह है सिद्धयोग अभ्यासों की शक्ति। आत्मा अपरिवर्तनशील तत्त्व है। इसी कारण से हम बार-बार सिद्धयोग अभ्यासों की ओर लौटते हैं। हम जानते हैं कि ये फलीभूत होते हैं, हम जानते हैं कि ये हमें अन्तर-प्रकाश तक ले जाऐंगे—और इसलिए हम इन्हें थामे रहते हैं।

प्रकाश के इस कथन पर, हम आपको सिद्धयोग वैश्विक हॉल में सीधे वीडिओ प्रसारण द्वारा आयोजित होने वाले छः सत्संगों में भाग लेने के लिए आमन्त्रित करते हैं। इन सत्संगों की शृँखला के लिए गुरुमाई चिद्विलासानन्द ने जो शीर्षक दिया है, वह है :

शान्त-रस के साथ संलग्न होना

पहला सत्संग आने वाले बुधवार को यानी २ दिसम्बर को सुबह ९:३० बजे ईस्टर्न स्टैन्डर्ड टाइम [यू. एस. ए.] के अनुसार आयोजित होगा। इसका शीर्षक है, 'श्वास-प्रश्वास की शक्ति।'

इस व्यस्त माह में अपने समय का नियोजन करने में आपकी सहायता के लिए जल्द ही सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर सत्संगों के समय व दिनों की सूची उपलब्ध होगी।

शुभकामनाओं सहित,

केसरी एम्स, कार्लोस डेल क्वेटो तथा आरिया पैक्सटन
सीधे वीडिओ प्रसारण की निदेशक-टीम
एस. वाय. डी. ए. फाउन्डेशन

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।